लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.......दैनिक ट्रिब्यून.......
दिनांक.....30.1.2020..... पृष्ठ सं.....4..... कॉलम.....7-8.....

हकृवि में एग्रोनोमिस्ट मीट आज से

हिसार (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा एग्रोनोमिस्टस एसोसिएशन एवं सस्य विज्ञान विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय वीड साइंस सोसाइटी के सहयोग से सस्य वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों की मीट का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में हरियाणा व अन्य प्रदेशों के सस्य वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी भाग लेंगे। जिसके मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह होंगे। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि 30 और 31 जनवरी को होने वाले दो दिवसीय कार्यक्रम में सस्य वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी विभिन्न फसलों पर चल रहे प्रबंधन संबंधी शोध व फसलोत्पादन संबंधी एक्सपेरीमेंट्स का भ्रमण करेंगे। फसलों में खरपतवारों संबंधी शोध कार्यक्रमों को देखेंगे व विद्यार्थियों के लिए विशेषतौर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा, जिसमें उन्हें खरपतवारों की पहचान संबंधी व उनके प्रबंधन संबंधी क्विज कंपीटीशन भी होंगे। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में दिल्ली, जयपुर, उदयपुर, लुधियाना व अन्य विश्वविद्यालयों के शोद्यार्थी एवं वैज्ञानिक हिस्सा लेंगे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला, दैनिक भास्कर
दिनांक 30.1.2020 पृष्ठ सं. 1, 5 कॉलम 1, 6

एचएयू : एग्रोनॉमिस्ट मीट आज और कल

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय वीड साइंस सोसायटी के सहयोग से हरियाणा एग्रोनॉमिस्ट एसोसिएशन एवं शस्य विज्ञान विभाग की ओर से एग्रोनॉमिस्ट मीट एवं स्टूडेंट विद कॉन्टेस्ट 30 व 31 जनवरी को करवाया जाएगा। कार्यक्रम में हरियाणा व अन्य प्रदेशों के शस्य वैज्ञानिक व विद्यार्थी भाग लेंगे। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्यातिथि होंगे। दो दिवसीय कार्यक्रम में शस्य वैज्ञानिक व विद्यार्थी फसलों पर चल रहे प्रबंधन संबंधी शोध व फसल उत्पादन संबंधी प्रशिक्षण लेंगे।

एग्रोनोमिस्ट मीट और स्टूडेंट वीड़ कॉन्टेस्ट आज से

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा एग्रोनोमिस्ट एसोसिएशन एवं सस्य (क्रोप) विज्ञान विभाग की तरफ से अंतरराष्ट्रीय वीड़ साइंस सोसायटी के सहयोग से सस्य साइंटिस्ट एंड स्टूडेंट्स मीट 30 व 31 जनवरी को होगी। इस कार्यक्रम में हरियाणा व अन्य प्रदेश के सस्य साइंटिस्ट और स्टूडेंट्स हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में मुख्यातिथि एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह रहेंगे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण, हरि भूमि
दिनांक 30.1.2020 पृष्ठ सं 18, 14 कॉलम 5, 5

एचएयू में एग्रोनोमिस्ट मीट एवं जंगली घास प्रतियोगिता आज से

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा एग्रोनोमिस्टस एशोसिएशन एवं सस्य विज्ञान विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय जंगली घास विज्ञान सोसाइटी के सहयोग से सस्य वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों की मीट का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में हरियाणा व अन्य प्रदेशों के सस्य वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी भाग लेंगे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह होंगे। दो दिवसीय कार्यक्रम में सस्य वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी विभिन्न फसलों पर चल रहें प्रबंधन संबंधी शोध व फसलोत्पादन संबंधी प्रयोग का भ्रमण करेंगें। फसलों में खरपतवारों संबंधी शोध कार्यक्रमों को देखेंगे। इसमें विद्यार्थियों के लिए विशेषतौर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा, जिसमें उन्हें खरपतवारों की पहचान संबंधी व उनके प्रबंधन संबंधी क्वीज कंपीटीशन भी होगें। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में दिल्ली, जयपुर, उदयपुर, लुधियाना व अन्य विश्वविद्यालयों के शोद्यार्थी एवं वैज्ञानिक हिस्सा लेंगे।

हकृवि में एग्रोनोमिस्ट मीट एवं स्टूडेन्ट वीड कॉनटेस्ट आज से

हिसार। हकृवि में हरियाणा एग्रोनोमिस्टस एशोसिएशन एवं सस्य विज्ञान विभाग द्वारा अर्न्तराष्ट्रीय वीड सांइस सोसाइटी के सहयोग से सस्य वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों की मीट का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में हरियाणा व अन्य प्रदेशों के सस्य वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी भाग लेगें। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह होगें।

दो दिवसीय कार्यक्रम में सस्य वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी विभिन्न फसलों पर चल रहें प्रबंधन संबंधी शोध व फसलोत्पादन संबंधी एक्सपेरीमेंट्स का भ्रमण करेंगें। फसलों में खरपतवारों संबंधी शोध कार्यक्रमों को देखेगें व विद्यार्थियों के लिए विशेषतौर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा जिसमें उन्हें खरपतवारों की पहचान संबंधी व उनके प्रबंधन संबंधी क्वीज कंपीटीशन भी होगें। सस्य विभाग के अध्यक्ष डा. समंदर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में हर्बिसाइड रेजिस्टेंस - एक चुनौती, एग्रोनोमिक बायो फोर्टिफिकेशन ऑफ जिंक, डारेक्ट सीडिड राइस, फसल अवशेषों को न जलाने संबंधी, रिर्सोस कंजरवेशन तकनीक व खरपतवार प्रबधंन, नैनो हरर्बिसाइड फारमुलेशन, जीरो बजट फार्मिंग व अन्य पर चर्चा होगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....नभ छोर....
दिनांक 29.1.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-3

हकृवि में एग्रोनोमिस्ट मीट एवं स्टूडेन्ट वीड कान्टेस्ट कल से

हिसार/29 जनवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा एग्रोनोमिस्ट्स एसोसिएशन एवं सस्य विज्ञान विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय वीड साईंस सोसाइटी के सहयोग से सस्य वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों की मीट का आयोजन किया जायेगा जिसके मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह होगें। दो दिवसीय कार्यक्रम में सस्य वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी विभिन्न फसलों पर चल रहे प्रबंधन संबंधी शोध व फसलोत्पादन संबंधी एक्सपेरीमेंट्स, खरपतवारों संबंधी शोध कार्यक्रमों को देखेंगे व विद्यार्थियों के लिए विशेषतौर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा, जिसमें उन्हें खरपतवारों की पहचान संबंधी व उनके प्रबंधन संबंधी क्वीज कंपीटीशन भी होगें। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में दिल्ली, जयपुर, उदयपुर, लुधियाना व अन्य विश्वविद्यालयों के शोद्यार्थी एवं वैज्ञानिक हिस्सा लेंगे। सस्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. समन्दर सिंह ने बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम में हर्बिसाइड रेजिस्टेंस एक चुनौती, एग्रोनोमिक बायोफोर्टिफिकेशन ऑफ जिंक, डायरेक्ट सीडिड राइस, फसल अवशेषों को न जलाने संबंधी, रिर्सोस कंजरवेशन तकनीक एवं खरपतवार प्रबधंन, नैनो हरबिसाइड फारमुलेशन, जीरो बजट फार्मिंग, क्लाईमेट्र चेंज एवं एकालोपी आदि विषयों पर व्याख्यान एवं चर्चा होंगी ।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 30.1.2020 पृष्ठ सं. 15 कॉलम 8

किसान घबराएं नहीं, टिड्डी की संख्या अभी कम : वैज्ञानिक

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट वैज्ञानिकों की टीम ने डबवाली, कालांवाली, सिरसा क्षेत्र के गांवों का दौरा कर टिड्डी दल के बारे में सर्वे किया तथा पाया कि जिले के चठ्ठा गांव में गिने चुने खेतों में नाममात्र टिड्डी (5-10 प्रति एकड़) में मिली। सर्वे में पाया गया कि अब तक स्प्रे करने वाली स्थिति नहीं आई है। जब टिड्डी का दल (स्वार्म) फसल व वनस्पति पर बैठता है तभी यह फसल व वनस्पति को क्षति करता है। टिड्डी दल का आर्थिक कगार 10 हजार टिड्डीयां प्रति हेक्टर यानि एक टिड्डी प्रति वर्ग मीटर या 5-6 टिड्डी प्रति झाड़ी है। अभी इनकी संख्या नाममात्र ही है। टिड्डी दल के पड़ोसी राज्य राजस्थान में पाए जाने की रिपोर्ट है। किसान अपनी फसल पर टिड्डी दल के लिए निगरानी अवश्य रखें। टिड्डी दल को ड्रम आदि से आवाज व शोर करके इन्हें खेतों में बैठने से रोका जा सकता है। एचएयू के विभिन्न जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों में कार्यरत कीट वैज्ञानिकों को भी इस बारे में निगरानी रखने के लिए सतर्क कर दिया गया है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....पाठक पक्ष....
दिनांक....30.1.2020.... पृष्ठ सं....2.... कॉलम....1-2....

एचएयू के फिरदोस मलिक ने किया दक्षिणी कोरिया में भारत का प्रतिनिधित्व

हिसार, 30 जनवरी (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक मोहम्मद फिरदोस मलिक को भारत की तरफ से दक्षिण कोरिया में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में जाने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने फिरदोस की इस उपलब्धता पर बधाई दी और भविष्य में भी सामाजिक कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इसमें पूरे भारत से 23 मेधावी छात्रों, स्वयंसेवकों एवं युवा राजनेताओं को दक्षिण कोरिया में जाकर वहाँ की सभ्यता को जानने का मौका मिला। वहाँ रहते हुए उन्होंनें दक्षिण कोरिया के अनेकों शहर जैसे सियोल, बुसान, स्वान, उलसान, इत्यादि का भ्रमण किया। हकृवि के फिरदोस ने राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. भगत सिंह के नेतृत्व में अनेकों गतिविधियों जैसे दिल्ली जनपथ पर आयोजित होने वाली वार्षिक गणतंत्र दिवस परेड, वार्षिक शिविर, पोलियों कैंप, स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 31.1.2020 पृष्ठ सं 3 कॉलम 2.5

आयोजन • एचएयू में हरियाणा एग्रोनोमिस्ट एसो. एवं सस्य विज्ञान विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय वीड सांइस सोसायटी के सहयोग से हुआ कार्यक्रम

एग्रोनोमिस्ट मीट में डॉ. समुन्द्र को मिला लाइफ टाइम एचीवमेंट अवॉर्ड

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में हरियाणा एग्रोनोमिस्ट एसोसिएशन एवं सस्य विज्ञान विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय वीड सांइस सोसायटी के सहयोग से दो दिवसीय 'सस्य विज्ञानियों का समागम व छात्रों का खरपतवार पहचान प्रतियोगिता' सभागार में शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. एसके सहरावत रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष सस्य विज्ञान विभाग डॉ. समुन्द सिंह ने की।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि खरपतवार नियंत्रण के लिए नैनो हरबीसाईड भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते

कुलपति प्रो. केपी सिंह डॉ. समुन्द्र सिंह को लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड देते हुए।

हैं। उन्होंने कहा कि सस्य वैज्ञानिक कृषि व्यवस्था की रीड की हड्डी हैं ,क्योंकि इनका हर विषय में हस्तक्षेप होता है। सस्य वैज्ञानिकों ने कम निवेश से ज्यादा उत्पादन लाइन की तकनीकें विकसित की हैं और किसानों के लिए बहुत सारी समग्र सिफारिशें दी हैं। छात्रों की खरपतवार पहचान प्रतियोगिता से छात्रों को खरपतवारों के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत किया।

अटारी निदेशक, डॉ. राजबीर सिंह व सस्य विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. समुन्दर सिंह, ने अपने व्याख्यान में खरपतवारों में खरपतवारनाशकों के प्रति अवरोधकता एवं उसके उचित प्रबंधन के बारे में बताया। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों से आए वैज्ञानिकों एवं छात्रों ने हिस्सा लिया।

सस्य विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए विभिन्न पुरस्कार वितरित किए गए, जिसमें डॉ. समुन्दर सिंह को लाइफ टाइम एचीवमेंट अवॉर्ड, डॉ. मंगत राम, डॉ. अनिल यादव, को बेस्ट रिसर्च अवार्ड डॉ. एसएस पुनिया, डॉ. सत्यजीत यादव को बेस्ट एक्सटेंशन वर्कर, डॉ. उमा कन्सल, डॉ. भगत सिंह, डॉ. अंकुर चौधरी, डॉ. टोडरमल पुनिया, डॉ. करमल मलिक को यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड, डॉ. मीना सहवाग, डॉ. नीलम को बेस्ट टीचर अवॉर्ड तथा पारस कम्बोज, ईशा अहलावत को बेस्ट स्टूडेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सस्य विज्ञान में अपना योगदान के लिए सेवानिवृत्त एग्रोनोमिस्ट डॉ.डीपी सिंह, डॉ. डीएस नेहरा, डॉ.बीडी यादव, डॉ. विरेश्वर सिंह, डॉ. मेहर सिंह, डॉ. आरएस पंवार, डॉ. ओपी नेहरा, डॉ. आरएस बाल्यान, डॉ. जयप्रकाश, डॉ. डीएस गिल, डॉ. आरएस शियोराण, डॉ. हरिओम, डॉ. एसएस पाहुजा, डॉ. एसके अग्रवाल, डॉ. जगदेव, डॉ. केएस पंवार, डॉ. आरएस दुकिया को भी सम्मानित किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........हरिभूमि........
दिनांक...31.1.2024..... पृष्ठ सं....12..... कॉलम....1-4....

'खरपतवार नियंत्रण में नैनो हरबीसाइड की अहम भूमिका'

हरिभूमि न्यूज ▶▶|हिसार

हकृवि में हरियाणा एग्रोनोमिस्ट्स एशोसिएशन एवं सस्य विज्ञान विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय वीड सांइस सोसाइटी के सहयोग से दो दिवसीय सस्य विज्ञानियों का समागम व छात्रों का खरपतवार पहचान प्रतियोगिता का कृषि महाविद्यालय के सभागार में शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह थे तथा विशिष्ट अथिति के तौर पर अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. एसके सहरावत थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष सस्य विज्ञान विभाग डॉ. समुंद्र सिंह ने की। विवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि खरपतवार नियंत्रण के लिए नैनो हरबीसाइड भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सस्य

वैज्ञानिक कृषि व्यवस्था की रीड की हड्डी हैं क्योंकि इनका हर विषय में हस्तक्षेप होता है। सस्य वैज्ञानिकों ने कम निवेश से ज्यादा उत्पादन लाइन की तकनीकें विकसित की हैं और किसानों के लिए बहुत सारी समग्र सिफारिशें दी हैं। अटारी निदेशक, डॉ. राजबीर सिंह व सस्य विज्ञान विभागाध्यक्ष डा. समुन्द्र सिंह, ने अपने व्याख्यान में खरपतवारों में खरपतवारनाश्कों के प्रति अवरोध्कता एवं उसका उचित प्रबधन के बारे में विस्तार से बताया।

डॉ. समुंद्र सिंह को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

सस्य विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए विभिन्न पुरस्कार वितरित किये गयें जिसमें डॉ. समुंद्र सिंह को लाइफ टाइम एचिवमेंट अवार्ड दिया गया। डॉ. मंगत राम, डॉ. अनिल यादव, को बेस्ट रिर्स्चर अवार्ड डॉ. एसएस पुनिया, डॉ. सत्यजीत यादव को बेस्ट एक्सटेंशन वर्कर, डॉ. उमा कन्सल, डॉ. भगत सिंह, डॉ. अंकुर चौधरी, डॉ. टोडरमल पुनिया, डॉ. करमल मलिक को यंग साईंटिस्ट अवार्ड, डॉ. मीना सहवाग, डॉ. नीलम को बेस्ट टीर्चर अवार्ड तथा पारस कंबोज, ईशा अहलावत को बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड दिया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 31.1.2020 पृष्ठ सं 20 कॉलम 3-4

नैनो हरबीसाइड निभाएंगे भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका

मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. केपी. सिंह व डा. समुंद्र सिंह। ● जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा एग्रोनोमिस्टस एसोसिएशन एवं सस्य विज्ञान विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय वीड सांइस सोसाइटी के सहयोग से दो दिवसीय सस्य विज्ञानियों का समागम व छात्रों का खरपतवार पहचान प्रतियोगिता का कृषि महाविद्यालय के सभागार में शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह व विशिष्ट अतिथि कृषि महाविद्यालय के डीन डा. एसके सहरावत रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष सस्य विज्ञान विभाग डा. समुंद्र सिंह ने की। कुलपति ने कहा कि खरपतवार नियंत्रण के लिए नैनो हरबीसाइड भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अटारी निदेशक डा. राजबीर सिंह व सस्य विज्ञान विभागाध्यक्ष डा. समुंद्र सिंह, ने खरपतवारों में खरपतवारनाशकों के प्रति अवरोधकता एवं उसका उचित प्रबधन के बारे में विस्तार से बताया।

डा. समुंद्र को मिला लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड: सस्य विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए विभिन्न पुरस्कार वितरित किये गयें जिसमें डा. समुंद्र सिंह को लाइफ टाइम अचिवमेंट अवार्ड, डा. मंगत राम, डा. अनिल यादव को बेस्ट रिसर्चर अवार्ड डा. एसएस पुनिया, डा. सत्यजीत यादव को बेस्ट एक्सटेंशन वर्कर, डा. उमा कन्सल, डा. भगत सिंह, डा. अंकुर चौधरी, डा. टोडरमल पुनिया, डा. करमल मलिक को यंग साईंटिस्ट अवार्ड, डा. मीना सहवाग, डा. नीलम को बेस्ट टीचर अवार्ड तथा पारस कम्बोज, ईशा अहलावत को बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी

दिनांक 31.1.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 7-8

मंच पर उपस्थित मुख्यातिथि व अन्य।

खरपतवार नियंत्रण के लिए नैनो हरबीसाइड भविष्य में निभा सकते हैं महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. सिंह

हिसार, 30 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा एग्रोनोमिस्टस एसोसिएशन एवं सस्य विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वीड साइंस सोसायटी के सहयोग से 2 दिवसीय 'सस्य विज्ञानियों का समागम व छात्रों का खरपतवार पहचान प्रतियोगिता' का कृषि महाविद्यालय के सभागार में शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह तथा विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डा. एस.के. सहरावत थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष सस्य विज्ञान विभाग डा. समुंद्र सिंह ने की। प्रो. सिंह ने कहा कि खरपतवार नियंत्रण के लिए नैनो हरबीसाइड भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। खरपतवार पहचान प्रतियोगिता से छात्रों को खरपतवारों के बारे में सीखने को मिलेगा। इस मौके पर सस्य विज्ञान में योगदान के लिए विभिन्न पुरस्कार वितरित किए। इसमें डा. समुंद्र सिंह को लाइफ टाइम अचीवमैंट अवार्ड, डा. मंगत राम, डा. अनिल यादव को बैस्ट रिसर्चर अवार्ड, डा. एस.एस. पूनिया, डा. सत्यजीत यादव को बैस्ट एक्सटैंशन वर्कर, डा. उमा कंसल, डा. भगत सिंह, डा. अंकुर चौधरी, डा. टोडरमल पूनिया, डा. करमल मलिक को यंग साइंटिस्ट अवार्ड, डा. मीना सहवाग, डा. नीलम को बैस्ट टीचर अवार्ड तथा पारस कम्बोज, ईशा अहलावत को बैस्ट स्टूडैंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........
दिनांक...31.1.2020... पृष्ठ सं....5.... कॉलम....1-5....

नैनो पार्टिकल की मदद से खरपतवार के बीजों को किया जा सकेगा निष्क्रिय

एग्रोनॉमिस्ट मीट : तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ. सीआर चिन्नामुथु कर रहे हैं शोध

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। खरपतवार नाशकों का ज्यादा इस्तेमाल होने से इनका असर अब कम होने लगा है। उदाहरण के तौर पर गेहूं की फसल में पैदा होने वाली खरपतवार फलारिस माइनर (मंडुसी) पर आइसोप्रोटून नाम की दवा ने असर करना बंद कर दिया है। इस समस्या को देखते हुए इसका कोई विकल्प तैयार करना होगा और नैनो पार्टिकल इसका एक विकल्प हो सकता है। यह बात तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के एग्रोनॉमी विभाग के अध्यक्ष डॉ. सीआर चिन्नामुथु ने कही। वह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में वीरवार से शुरू हुई दो दिवसीय एग्रोनॉमिस्ट मीट में भाग लेने आए हुए हैं।

उन्होंने बताया कि वह नैनो पार्टिकल को लेकर पिछले दस वर्षों से शोध कर रहे हैं। नैनो पार्टिकल में जिंक, सिल्वर व टाइटेनियम का इस्तेमाल किया

डॉ. सीआर चिन्नामुथु।

है। डॉ. चिन्नामुथु ने बताया कि नैनो पार्टिकल की दद से खरपतवार के बीजों को पूरी तरह से निष्क्रिय किया जा सकता है। अभी इस पर रिसर्च रही है कि यह पशुओं या इंसान के लिए किसी तरह से हानिकारक तो नहीं है। उन्होंने बताया कि खरपतवारनाशकों को सूक्ष्म जीवाणु छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ देते हैं, जिससे यह पानी के साथ मिलकर जमीन में चल जाते हैं और इनका असर लंबे समय तक नहीं रहता। अगर किसी फसल की कटाई होने तक इनका असर रखना है तो इनका कैप्सूल की तरफ इस्तेमाल करना होगा। इससे इनका असर लंबे समय तक रखा जा सकता है।

एक हेक्टेयर की पराली न जलाने से फर्टिलाइजर के 12 कट्टों की होगी बचत : डॉ. राजबीर

एक हेक्टेयर में बोई गई धान की फसल से आठ टन पराली निकलती है और आठ टन पराली जलाने से 12 टन विषैली गैसें पैदा होती हैं। अगर किसान यह पराली जलाने की बजाय खेत में ही मिला दे तो उसे फर्टिलाइजर के 12 कट्टों की बचत होती। इन 12 कट्टों की कीमत करीब 3300 रुपये पड़ती है। यह कहना है कि अटारी इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डॉ. राजबीर सिंह का, जो एचएयू में आयोजित एग्रोनॉमिस्ट मीट में भाग लेने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि अगर किसान जीरो टिल विधि से गेहूं की बिजाई करते हैं तो खाद कम लगेगी, खरपतवार कम होगा और सिंचाई भी कम लगेगी। पारंपरिक विधि की बजाय जीरो टिल विधि से की बिजाई करने का फायदा यह है कि उक्त फसल पर बेमौसमी बारिश का असर कम होता है। साथ ही अचानक तापमान बढ़ने से भी फसल का बुरा प्रभाव नहीं पड़ता, जबकि पारंपरिक तरीके से बिजाई करने इस विधि में खाद पानी लगाने से पहले दी जाती हैं, जिससे खाद पौधों की जड़ों तक पहुंचती है।